अध्याय–पंचम

शोध निष्कर्ष सारांश

अध्याय– पंचम

शोध सांराश एवं सुझाव

5.1 प्रस्तावना

व्यक्ति विकास के लिए शिक्षा एक महत्वपूर्ण घटक है। शिक्षा के बिना मानव का जीवन अधूरा है। इसीलिए व्यक्ति को शिक्षा ग्रहण करना अति आवश्यक है। परन्तु शिक्षा प्राप्त करने के लिए एक शिक्षक का कार्य अति आवश्यक होता है। जैसे चाणक्य ने गुरू बनके चन्द्रगुप्त को एक सैनिक से राजा बना दिया। एक गुरू से शिक्षा प्राप्त करके अर्जुन श्रेष्ठ धर्नुधर बन गया। अर्थात वैदिक युग से लेकर आधुनिक युग तक व्यक्ति के विकास के लिए एक शिक्षक की आवश्यकता है। शिक्षक भी ऐसा होना चाहिए कि जो अपने क्षेत्र के अंतर्गत पूर्ण हो एवं अपने क्षेत्र से संतुष्ट हो। प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत शोधकर्ता ने शिक्षक की परिपक्वता की जाँच की है। साथ ही शोधकर्ता ने शिक्षक अपने व्यवसाय से कितना संतुष्ट है? अगर है तो कितना वह जानने का प्रयास किया है।

5.2 समस्या कथन

''माध्यमिक शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता एवं व्यावसायिक संतुष्टि का अध्ययन''

5.3 शोध की परीसीमाएँ

1. इस शोध अध्ययन के लिए गुजरात के दाहोद जिले का ही चयन किया गया ।
2. दाहोद जिले के तहसीलों में से मात्र दाहोद, झालोद एवं फतेपूरा तीन तहसीलों का चयन किया गया।
3. केवल माध्यमिक शालाओं के शिक्षकों का ही चयन किया गया।

5.4 शोध के उद्देश्य

माध्यमिक शालाओं में कार्यरत शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता एवं व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य संबंधों का अध्ययन करना।

माध्यमिक शालाओं में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की शैक्षिक परिपक्वता का अध्ययन करना।

ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक शालाओं के शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता का अध्ययन करना।

माध्यमिक शालाओं में कार्यरत शैक्षिक अनुभवी एवं आंशिक शैक्षिक अनुभवी शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता का अध्ययन करना।

माध्यमिक शालाओं में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के व्यावसायिक संतुष्टि का अध्ययन करना।

ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक शालाओं में कार्यरत शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि का अध्ययन करना।

माध्यमिक शालाओं में कार्यरत शैक्षिक अनुभवी एवं आंशिक शैक्षिक अनुभवी शिक्षकों की व्यवसायिक संतुष्टि का अध्ययन करना।

5.5 शोध परिकल्पनाऐं

माध्यमिक शालाओं में कार्यरत शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता एवं व्यवसायिक संतुष्टि के मध्य कोई संबंध नहीं होगा।

माध्यमिक शालाओं में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की शैक्षिक परिपक्वता के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक शालाओं में कार्यरत शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

माध्यमिक शालाओं में कार्यरत शैक्षिक अनुभवी एवं आंशिक शैक्षिक अनुभवी शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

माध्यमिक शालाओं में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की व्यवसायिक संतुष्टि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक शालाओं के शिक्षकों की व्यवसायिक संतुष्टि के मध्य सार्थक अंतर नहीं होगा।

माध्यमिक शालाओं में कार्यरत शैक्षिक अनुभवी एवं आंशिक शैक्षिक अनुभवी शिक्षकों की व्यवसायिक संतुष्टि के मध्य सार्थक अंतर नहीं होगा।

5.6 न्यादर्श चयन प्रक्रिया

प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत शोधकर्ता ने दाहोद जिले की 240 माध्यमिक शालाओं में से 10 माध्यमिक शालाओं का चयन किया। और 10 शालाओं के 146 शिक्षकों में से 100 शिक्षकों की उनकी सहमती से प्रदत्तों का संकलन किया जिसमें 60 पुरूष और 40 महिला शिक्षिकाओं को लिया गया।

5.7 शोध के चर

स्वतंत्र चर

- लिंग – पुरूष
  महिला
- स्थान– ग्रामीण
  शहरी
- अनुभव शैक्षिक अनुभवी
  आंशिक शैक्षिक अनुभवी

परतंत्र चर

1. शैक्षिक परिपक्वता
2. व्यवसायिक संतुष्टि

5.8 निष्कर्ष

1. माध्यमिक शाला के शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता एवं व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य धनात्मक सह–संबंध पाया गया पर सार्थक संबंध नहीं पाया गया।

2. माध्यमिक शाला के शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं की शैक्षिक परिपक्वता के मध्य सार्थक अंतर नहीं है तथा मध्यमान के अनुसार शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता शिक्षिकाओं की शैक्षिक परिपक्वता अधिक है।

3. ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक शालाओं के शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता के मध्य सार्थक अंतर नहीं है तथा मध्यमान के अनुसार शहरी शालाओं के शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता ग्रामीण शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता से अधिक है।

4. शैक्षिक अनुभवी एवं आंशिक शैक्षिक अनुभवी शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता में सार्थक अंतर नहीं है परंतु शैक्षिक अनुभवी शिक्षक आंशिक शैक्षिक अनुभवी शिक्षकों से ज्यादा परिपक्व है।

5. पुरूष शिक्षक एवं महिला शिक्षिकाओं की व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है परन्तु महिला शिक्षिकाओं की व्यवसायिक संतुष्टि पुरूष शिक्षकों की व्यवसायिक संतुष्टि से अधिक है।

6. ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक शालाओं में कार्यरत शिक्षकों की व्यवसायिक संतुष्टि के मध्य सार्थक अंतर नहीं है लेकिन मध्यमानों के अनुसार शहरी शालाओं के शिक्षकों की व्यवसायिक संतुष्टि ग्रामीण शालाओं के शिक्षकों की संतुष्टि से अधिक है।

7. शैक्षिक अनुभवी एवं आंशिक शैक्षिक अनुभवी शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है। परंतु मध्यमानों से पता चलता है कि आंशिक अनुभवी शिक्षक अपने व्यवसाय से शैक्षिक अनुभवी शिक्षकों से अधिक संतुष्ट है।

5.9 प्रदत्तों के संकलन के लिए प्रयुक्त उपकरण

प्रदत्तों के संकलन के लिए दो उपकरणों का प्रयोग किया गया।

1. शैक्षिक परिपक्वता संबंधी प्रश्नावली
2. व्यावसायिक संतुष्टि संबंधी प्रश्नावली। D– 331

1. शैक्षिक परिपक्वता संबंधी प्रश्नावली–

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्ता ने चर शैक्षिक परिपक्वता की जाँच करने के लिए उपयोग की गई प्रश्नावली को पाँच निम्नलिखित घटकों को ध्यान में रखकर तैयार किया।

1. शिक्षक द्वारा किये गये सेमिनार/तालीम कार्यक्रम
2. अध्यापन के क्षेत्र में अनुभव
3. कौशल्यों में कुशलता
4. शिक्षकों द्वारा अध्यापन प्राप्त विद्यार्थियों की सफलता प्राप्ति।
5. शालागत प्रवृत्तियों में भाग

उपर्युक्त घटकों को ध्यान में रखकर शैक्षिक परिपक्वता ज्ञात करने के लिए प्रश्नावली का निर्माण किया गया और इसके अंतर्गत कुल 14 प्रश्नों की प्रश्नावली रखी गई।

2. व्यावसायिक संतुष्टि संबंधी प्रश्नावली

व्यवसायिक संतुष्टि ज्ञात करने के लिए शोधकर्ता ने डॉ. एस.के. सक्सेना द्वारा निर्मित 'अध्यापक कृत्य संतुष्टि मापनी का उपयोग किया गया।

डॉ. सक्सेना की मापनी के अंतर्गत अध्यापक कृत्य के विषय में 29 प्रश्न दिये गये। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 'हा' या 'ना' में देना था। इस मापनी के अंतर्गत 4 (चार) क्षेत्र को ध्यान में रखा गया था। जैसे।

1. कार्य के साथ संतोष
2. वेतन, (भुगतान), सुरक्षा और पदोन्नति के साथ संतोष
3. संस्थान की कार्यप्रणाली के साथ संतोष।
4. प्रिन्सीपाल, कार्यकर्ता आदि से संतुष्टि

उपर्युक्त प्रश्नावली में कुल प्राप्तांक 29 थे।

5.10 प्रदत्तो के संकलन के लिए प्रयुक्त उपकरण के अंकन की विधि

- शैक्षिक परिपक्वता

  शैक्षिक परिपक्वता संबंधी प्रश्नावली में 1) प्रत्येक 'हा' वाले उत्तर के लिए 1(एक) नम्बर और 'नहीं' वाले उत्तर के लिए 0(शून्य) नम्बर निर्धारित थे।

  2) 'हा' (सकारात्मक) उत्तर में एक से ज्यादा उपलब्धि है जैसे– शिक्षक द्वारा पढ़ाये गये विद्यार्थी, डॉक्टर, शिक्षक है तो हरेक के लिए एक अतिरिक्त नम्बर दिया गया।

- व्यावसायिक संतुष्टि :-

  डॉ. एस.के. सक्सेना द्वारा निर्मित उपकरण का अंकन मेन्युअल (Manual) के आधार पर किया गया।

  1- हा (सकारात्मक) के लिए 1 (एक) नम्बर दिया गया।

  2- 'नहीं' (नकारात्मक) के लिए 0 (शून्य) नम्बर दिया गया।

  जबकि क्रमांक 4 और 29 के प्रश्न के लिए उल्टे नम्बर दिये गये। उसमें सकारात्मक के लिए 0 (शून्य) और नकारात्मक के लिए 1 (एक) नम्बर दिया गया।

5.11 प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु प्रयुक्त सांख्यिकी

प्रस्तुत शोध में अनुसंधानकर्ता ने प्रदत्तों के विश्लेषण के लिए 'टी' परीक्षण सह-संबंध (काल पिर्यसन), मध्यमान, प्रमाण विचलन का उपयोग किया है।

5.12 सुझाव

शिक्षकों की परिपक्वता को बढ़ावा देने के लिए सेमिनार, अभिविन्यास कार्य एवं तालिम वर्गो का नियोजन करना चाहिए।

शिक्षकों को राज्य, जिला, तहसील एवं शालाकीय स्तर पर पुरस्कार देना चाहिए।

उम्र के अनुसार पदोन्नति कर देनी चाहिए।

शिक्षकों का कार्यभार कम करना और कार्य का विभाजन शिक्षक की रूचि अनुसार करना चाहिए।

शिक्षक व्यवसाय की संतुष्टि के लिए शिक्षक के स्थान को आदर्श स्थान देना चाहिए।

5.13 भावी शोध हेतु सुझाव

भविष्य के शोध हेतु प्रस्तावित लघुशोध प्रबन्ध की दिशा में ही आगे अध्ययन किया जा सकता है।

शहरी और ग्रामीण शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता एवं व्यावसायिक संतुष्टि का अध्ययन किया जा सकता है।

शैक्षिक परिपक्वता तथा व्यावसायिक संतुष्टि इन दो घटको के आधार पर प्राथमिक, माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक शाला शिक्षकों के मध्य तुलनात्मक अध्ययन लिया जा सकता है।

उच्च माध्यमिक शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता एवं व्यावसायिक संतुष्टि का अध्ययन किया जा सकता है।

प्राथमिक शालाओं के शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता एवं व्यावसायिक संतुष्टि का अध्ययन किया जा सकता है।